हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 351 देहरादून मंगलवार 17 मार्च 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

मुख्यमंत्री ने 63 सफाई निरीक्षकों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

– शहरी विकास निदेशालय के नवीन भवन का किया वर्चुअल शिलान्यास

– मुख्यमंत्री ने कूड़ा निस्तारण वाहनों को दिखाई हरी झंडी

– चार वर्षों में लगभग 30 हजार युवाओं को प्रदान की गई सरकारी नौकरीः मुख्यमंत्री

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत चयनित 63 सफाई निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लगभग 62 करोड़ की अनुमानित लागत से बनने वाले शहरी विकास निदेशालय के नवीन भवन का वर्चुअल शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कूड़ा निस्तारण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार वर्षों में राज्य में लगभग 30 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित सभी सफाई निरीक्षकों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आज आपके जीवन में एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के समय प्रदेश में केवल 63 स्थानीय नगर निकाय थे।

आज प्रदेश में 11 नगर निगम, 46 नगर पालिका परिषद और 51 नगर पंचायत सहित कुल 108 स्थानीय नगर निकाय हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि आज हमारे शहर विकास और आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र बन चुके हैं। राज्य सरकार प्रदेश के अपने इन शहरों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में हमारे स्थानीय निकायों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कूड़ा प्रबंधन से लेकर नागरिकों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के सुचारू संचालन तक की बड़ी जिम्मेदारी इन्हीं संस्थाओं के कंधों पर होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकाय हमारे शहरों के समग्र विकास के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। सफाई निरीक्षक इसकी नींव के पत्थर हैं। प्रदेश में नगर निकायों की प्रशासनिक और तकनीकी क्षमता को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। पिछले करीब 5 वर्षों में शहरी निकायों में 63 अधिशासी अधिकारियों, 22 कर एवं राजस्व निरीक्षकों तथा 32 अवर अभियंताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। 63 सफाई निरीक्षकों की नियुक्ति हमारे नगर निकायों की कार्यक्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी नवनियुक्त निरीक्षक अपने कर्तव्यों का निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

विभिन्न योजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा, खर्च में तेजी लाने के निर्देश

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में सचिव समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य में संचालित पूंजीगत व्यय, सीएसएस योजनाएं, ईपीए योजनाएं, नाबार्ड योजनाएं, व्यय

योजना तथा एसएएससीआई योजनाओं की वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने विभागों को निर्देशित किया कि योजनाओं के अंतर्गत आवंटित धनराशि के खर्च की प्रगति में तेजी लाते हुए उसका शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। कहा कि पूंजीगत व्यय राज्य के विकास को गति देता है, इसलिए सभी विभाग परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। कहा कि किसी भी स्कीम का बजट लैप्स नहीं होना चाहिए।एसएएससीआई योजनाओं सहित सभी विकास कार्यों को समयबद्ध पूरा करने पर जोर :बैठक में एसएएससीआई योजना 2025-26 की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में यदि किसी तरह की प्रशासनिक, तकनीकी तथा प्रक्रियागत बधाई आ रही है तो उनका त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी विभाग मासिक व्यय लक्ष्य निर्धारित कर उसकी नियमित मॉनिटरिंग करें, लंबित टेंडर, स्वीकृतियों और तकनीकी अनुमोदनों को शीघ्र पूरा किया जाए तथा जिलास्तर पर परियोजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं की प्रगति बढ़ने से राज्य के विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा जनसुविधाओं में भी सुधार होगा। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, एल.एल. फैनई एवं धनंजय चतुर्वेदी, विशेष सचिव अमित सिन्हा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार की टक्कर से स्कूटर सवार सिक्योरिटी गार्ड की मौत

देहरादून(संवाददाता)। रायपुर रोड पर एमईएस चौक के पास एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार सिक्योरिटी गार्ड को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल गार्ड की अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक कार मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के बेटे अमित सिंह की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि लोअर नेहरूग्राम निवासी जसवंत सिंह बिष्ट रायपुर स्थित एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर तैनात थे।

संक्षिप्त समाचार...

जनरल बिपिन रावत की राष्ट्रसेवा सदैव रहेगी प्रेरणास्रोत : सीएम धामी

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, पद्म विभूषण से अलंकृत तथा उत्तराखंड के गौरव, जनरल बिपिन रावत की जयंती पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ भारती की सेवा में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले जनरल बिपिन रावत अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा के प्रति जनरल बिपिन रावत का समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका नेतृत्व, दूरदर्शिता और देश के प्रति अटूट निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

23 मई को खुलेंगे हेमकुंड साहिब के कपाट

देहरादून(संवाददाता)। आज सचिवालय में हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्य सचिव आनंद बर्धन से शिष्टाचार मुलाकात की।इस अवसर पर बिंद्रा ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि हेमकुंड साहिब के कपाट आगामी 23 मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। भेंट के दौरान आगामी यात्रा व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं से संबंधित विषयों पर संक्षिप्त चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी लेते हुए हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा इसके लिए स्थानीय प्रशासन को भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

जीवन के पन्ने पलटने प्रेरित करती जब खुली किताब

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है।.. डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फिल्म की आत्मा बन जाते हैं।

सिने-सोहबतमौजूदा दौर में जब अधिकांश हिंदी फिल्में तेज रफ्तार मनोरंजन, एक्शन और सतही रोमांस के ईर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती हैं, ऐसे में कुछ फिल्में ऐसी भी आती हैं, जो दर्शकों को ठहर कर सोचने पर मजबूर करती हैं। लेखक-निर्देशक सौरभ शुक्ला की फिल्म ष्जब खुली किताबष ऐसी ही एक संवेदनशील और आत्ममंथन कराने वाली फिल्म है। यह फिल्म किसी बड़े नाटकीय घटनाक्रम या बाहरी शोर-शराबे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले संवादों, रिश्तों के अनकहे दर्द और समय की परतों में दबे सच को धीरे-धीरे खोलती है, बिलकुल एक पुरानी किताब की तरह, जो वर्षों बाद खुलने पर अपनी महक और स्मृतियों से हमें भर देती है।फिल्म का शीर्षक ही अपने आप में एक रूपक है, किताब, जो खुलने पर सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि जीवन के छिपे अध्याय सामने ले आती है। सौरभ शुक्ला ने इस विचार को बेहद सूक्ष्म और संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा है।फिल्म की कहानी मूलतः कुछ ऐसे लोगों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में कई अनकहे सच और अध ूरे संवाद छिपे हुए हैं। उम्र के एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचकर, जब इंसान पीछे मुड़ कर अपने जीवन को देखने लगता है, तब उन्हें अहसास होता है कि कई बातें कहे बिना रह गईं, कई रिश्ते समझे बिना ही टूट गए और कई फैसलों की वजहें कभी खुलकर सामने नहीं आई।पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है। एक ऐसी चुप्पी, जो केवल शब्दों की कमी नहीं, बल्कि भावनाओं का बोझ है। समय के साथ जब परिस्थितियां बदलती हैं और लोग आमने-सामने बैठ कर अपने जीवन के पन्ने पलटते हैं, तब यह चुप्पी धीरे-धीरे खुलने लगती है।डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके चेहरे पर समय की परिपक्वता और जीवन के अनुभवों की झलक दिखाई देती है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फिल्म की आत्मा बन जाते हैं।फिल्म में अपारशक्ति खुराना और समीर सोनी जैसे कलाकार भी हैं, जो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की खाई को दर्शाते हैं। यह पीढ़ियों के बीच का वह अंतर है जहां एक तरफ अनुभवों की विरासत है और दूसरी तरफ बदलते समय की बेचैनी।सौरभ शुक्ला के निर्देशन में सादगी में गहराई साफ दिखती है। सौरभ हिंदी सिनेमा में एक ऐसे कलाकार हैं, जिनकी पहचान बहुआयामी है। वे अभिनेता भी हैं, लेखक भी और निर्देशक भी। श्जब खुली किताबश् में उनका लेखक और निर्देशक दोनों रूप बेहद परिपक्व दिखाई देता है। उन्होंने इस फिल्म को किसी बड़े सिनेमाई तमाशे की तरह नहीं रचा, बल्कि एक अंतरंग नाटक की तरह गढ़ा है। फिल्म का ट्रीटमेंट बेहद संयमित है। संवादों में शोर नहीं है, बल्कि एक गहरी संवेदना है। कई जगहों पर सौरभ शुक्ला संवादों की बजाय मौन का इस्तेमाल करते हैं और यही मौन दर्शक को पात्रों के मन के भीतर झांकने का मौका देता है।दरअसल, पहले श्जब खुली किताबश् एक नाटक के रूप में बनाया गया गया था, जिसमे मुख्य भूमिका में भी सौरभ ने खुद ही काम किया था। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने का भी एक जरिया हो सकता है।इस फिल्म की एक बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। पंकज कपूर हिंदी सिनेमा और रंगमंच के उन दुर्लभ अभिनेताओं में से हैं, जो चरित्र को जीवित कर देते हैं। इस फिल्म में उनका अभिनय अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। वे अपने चेहरे के भाव, आंखों की नमी और आवाज के उतार-चढ़ाव से एक ऐसे व्यक्ति की मनःस्थिति को दर्शाते हैं, जो वर्षों से अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जी रहा है। डिंपल कपाड़िया का अभिनय भी बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने अपने किरदार में गरिमा और संवेदनशीलता का सुंदर संतुलन बनाया है। उनके संवादों में एक गहराई है और कई बार उनका मौन ही सबसे अधिक बोलता है।अपारशक्ति खुराना इस फिल्म में एक अलग रंग लेकर आते हैं। वे आज की पीढ़ी की बेचैनी, सवाल और व्यावहारिकता को बखूबी प्रस्तुत करते हैं। उनके अभिनय में सहजता है और वे फिल्म के भावनात्मक प्रवाह को संतुलित करते हैं। समीर सोनी भी अपने सीमित लेकिन महत्वपूर्ण किरदार में प्रभाव छोड़ते हैं। उनका अभिनय कहानी के कई भावनात्मक आयामों को उजागर करता है।

उत्पादन, परिवर्तन और विविधीकरणः भारत ने किस प्रकार अपनी ऊर्जा प्रणाली को गतिशील बनाया

आम तौर पर, संरचनात्मक ऊर्जा परिवर्तन शायद ही कभी आरामदायक समय के दौरान होते हैं। वे तब होते हैं जब किसी संकट की लंबे समय तक अनदेखी की जाती है और उसके प्रति निष्क्रिय भाव रखा जाता है। यद्यपि, पिछले 11 वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने इसके विपरीत काम किया है। इसने ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन किए, तब भी जब परिस्थितियां प्रतिकूल नहीं थीं। इसने भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों को सहन करने के प्रति अधिक क्षमता निर्माण में सक्षम बनाया। मोदी सरकार ने घरेलू उत्पादन का विस्तार करके, नए ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन का प्रबंधन करके और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाकर, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी झटकों का सामना करने में देश को अधिक सक्षम बना दिया है।भारत के लिए इस समस्या का समाधान करने का मार्ग कभी भी मुश्किल नहीं था। आवश्यकता थी, इसे लगातार आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की। पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने अपनी योजनाओं पर बने रहने का निर्णय लिया। मोदी सरकार ने खुद को आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनाया है, जो अपनी समस्याओं का समाधान चाहते थी। इसकी कार्यनीति तीन स्तंभों पर टिकी हुई थी और प्रत्येक ने सरकार से एक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग की।पहले कार्यनीति घरेलू उत्पादन की थी। पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने की कार्यप्रणाली 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आरंभ हुई थी। फिर भी कई वर्षों तक, भारत ने कोई प्रगति नहीं की और इथेनॉल उत्पादन स्थिर रहा। 2014 के बाद ही व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला के माध्यम से, भारत इस पहल की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम हुआ। मोदी सरकार के तहत, देश ने ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला आरंभ की। इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम (ईबीपी) के तहत शुरू में 2030 के लिए पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

हालांकि, 2020 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस लक्ष्य को 2025 तक विस्तारित कर दिया, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक झटकों की स्थिति में ऊर्जा आयात के प्रति देश की निर्बलता को कम करने के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। प्रयासों और नीतिगत फोकस के परिणामस्वरूप, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग 2014 में 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गया, जो 11 वर्षों में 13 गुना वृद्धि है। इथेनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून 2025 तक 661.1 करोड़ लीटर हो गया। 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम अब सालाना लगभग 44 मिलियन बैरल कच्चे तेल को विस्थापित करता है।

दूसरी कार्यनीति सही तरीके से ऊर्जा परिवर्तन करने से संबंधित थी। मोदी सरकार ने सभी स्तरों पर देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के विकास का समर्थन किया। इसने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी, जिसने पिछले चार वर्षों में एफडीआई में 36 बिलियन डॉलर को आकर्षित किया है। प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को प्रोत्साहित करने और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ की गईं। भारत में (हाइब्रिड) ईवी का फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (फेम ढ्ढ) 2015 में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था, जिससे इस क्षेत्र का सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

योजना के पहले चरण में, लगभग 2.78 लाख ईवी जोड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 59 मिलियन लीटर ईंध न की बचत हुई। फेम इंडिया योजना के परिणाम और अनुभव के आधार पर, फेम का दूसरा चरण 2019 में आरंभ किया गया। हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर अग्रिम मूल्य में कटौती के माध्यम से उपभोक्ताओं (खरीदारों/अंतिम उपयोगकर्ताओं) को प्रोत्साहन और रियायतें प्रदान की गईं, जिससे इसे व्यापक स्तर पर अपनाने की सुविधा मिली। इस पहल ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अधिक किफायती और सुलभ बना दिया, जिससे उन्हें अपनाने में तेजी लाने में मदद मिली। इस योजना ने 16 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर सब्सिडी दी, जिससे 42.9 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई।

इसके अतिरिक्त, इस पहल के परिणामस्वरूप, 2019-20 की तुलना में 2023-24 में भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में 9.7 गुना वृद्धि हुई। वर्तमान में, भारत के ईवी बाजार में 2025-2026 में तेजी देखी जा रही है, जिसकी बिक्री 2.3 मिलियन यूनिट (कुल वाहन पंजीकरण का लगभग 8 प्रतिशत) तक पहुंच गई है।

ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में इस परिवर्तन में निर्भरता से जुड़ा जोखिम भी है। खनिज निर्भरता की जगह तेल निर्भरता के लिए बदलाव से पूर्ण ऊर्जा सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। इस निर्बलता को दूर करने के लिए, मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित करने और भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए श्राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशनश आरंभ किया।

तीसरी कार्यनीति, मोदी सरकार की ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति भागीदारों के विविधीकरण से जुड़ी थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बहु- संयोजन की नीति अपनाई है, जिसने भारत को अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कई राज्यों के साथ समानांतर, गहरे संबंध विकसित करने में सक्षम बनाया है। इस कूटनीतिक लोकसंपर्क ने भारत के क्रूड सोर्सिंग बेस को एक दशक पहले के 27 देशों से बढ़ाकर आज 40 से अधिक कर दिया है।

इन उपायों के महत्व को समझने का एक उपयोगी तरीका यह विचार करना है कि अगर ये कदम नहीं उठाए गए होते तो स्थिति कैसी दिख सकती थी। रूस-यूक्रेन युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव जैसी घटनाओं ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि आपूर्ति श्रृंखलाएं कितनी जल्दी प्रभावित हो सकती हैं। उदाहरण के लिए विचार करें कि इथेनॉल ब्लेंडिंग जैसे घरेलू विकल्पों के विस्तार के बिना, जिसने 2014 के बाद पहले ही 190 मिलियन बैरल मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल के आयात (और 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है) को प्रतिस्थापित किया है, इस तरह के झटकों के लिए भारत का जोखिम बहुत अधिक और प्रतिकूल परिणाम होता। उस परिदृश्य में (इथेनॉल ब्लेंडिंग को प्राथमिकता नहीं देने की), वैश्विक आपूर्ति व्यवधान भारतीय घरेलू आर्थिक दबाव में बहुत तेजी से परिवर्तित हो गया होता।अगर मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में इन नीतियों को नहीं अपनाया होता, तो इस तरह के व्यवधान भारत की ऊर्जा प्रणाली में गंभीर अस्थिरता पैदा कर सकते थे, जिसके परिणाम भारत जैसी विस्तारित अर्थव्यवस्था के लिए विनाश की सीमा तक पहुंच सकते थे। इसलिए पिछले एक दशक में किए गए सुधारों ने भारत को भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश करने में मदद की है, जिसे हम आज अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रबंधन में मजबूत बफर और अधिक लचीलेपन के साथ देख रहे हैं।हालांकि, वे दिन जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी और एक ही समुद्री चॉकपॉइंट में स्थितियों के साथ उनमें गिरावट आ गई, अब व्यतीत हो चुके है। अब किसी एक ही गलियारे में कोई भी व्यवधान एक प्रबंधित सोर्सिंग समायोजन को बढ़ावा देता है, न कि आपूर्ति आपातकाल को बढ़ाता है। चूंकि भारतीय रिफाइनरी कम्पनियां एक निर्धारित मूल स्थान से एक निश्चित स्लेट पर निर्भर नहीं करते हैं, इसलिए यह लचीलापन देश के लिए एक प्राथमिक ऊर्जा सुरक्षा संपत्ति है। जहां होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चॉकपॉइंट बना हुआ है, भारत जहाजों का मार्ग फिर से बदल सकता है और अपनी रणनीति को अन्य ऊर्जा-निर्यातक देशों की तरफ स्थानांतरित कर सकता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

-कुंभ मेले के दिव्य-भव्य आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध पूरी करने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

-कुंभ 2027 के आयोजन में किसी स्तर पर नहीं रहेगी कोई कमी, स्वीकृतियां तुरंत होगी जारी : मुख्यमंत्री

देहरादून संवाददाता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हरिद्वार का भ्रमण कर कुंभ मेला 2027 की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की। डामकोठी में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले वर्ष आयोजित होने वाले कुंभ मेले के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ जैसे विराट आयोजन में किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी संबंधित विभाग पूरी क्षमता और समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध तरीके से तैयारियों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि मेला आयोजन से जुड़े सभी हितधारकों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों तथा साधु-संतों के सहयोग से कुंभ मेले का भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुंभ से संबंधित कार्यों के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी तथा प्रस्तावित कार्यों के लिए आवश्यक स्वीकृतियां शीघ्र जारी की जाएंगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान ही दूरभाष पर मुख्य सचिव से वार्ता कर शासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने सड़क, पुल, पेयजल, स्वास्थ्य, यातायात और पार्किंग व्यवस्था से जुड़े स्थायी प्रकृति के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा, वर्षाकाल तथा कांवड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख कार्यों के क्रियान्वयन की रणनीति बनाई जाए और विभाग निरंतर बेहतर समन्वय के साथ कार्य करेंमुख्यमंत्री ने कुंभ मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की स्थापना को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके लिए आवश्यक स्वीकृति शीघ्र जारी की जाएगी। उन्होंने मेला नियंत्रण भवन के पास प्रस्तावित सीसीआर-2 भवन परियोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कुंभ मेले के सुचारु प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण इस परियोजना को भी शीघ्र वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए खड़खड़ी पुल तथा श्रीयंत्र पुल से संबंधित योजनाओं को भी प्राथमिकता देते हुए उनके लिए आवश्यक स्वीकृतियां जल्द जारी करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश और मुनीकीरेती सहित कुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता तथा सीवरेज प्रबंधन के कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कोरम पूरा न होने से बोर्ड बैठक को किया गया स्थगित

डोईवाला संवाददाता। डोईवाला नगर पालिका में सभासद व अध्यक्ष के बीच हुई तनातनी का माहौल शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। पीछे कई महीनों से सभासद बनाम अध्यक्ष देखने को मिला है मगर उसके बाद यह मामला सभासदों व अध्यक्ष के बीच बैठ कर सुलझा लिया गया था मगर बोर्ड बैठक में दिन फिर एक बार तनातनी का माहौल देखने को मिला है। बोर्ड बैठक में 20 में से मात्र 5 सभासद ही बोर्ड बैठक में पहुंचे है। सभासदों ने आरोप लगाया कि बोर्ड बैठक योजना बनाकर स्थगित की गई है। निर्दलीय सभासद संदीप सिंह नेगी ने कहा कि यह बैठक 11 मार्च को राखी गई थी मगर विधानसभा सत्र का हवाला देकर उसको स्थगित किया गया था उसके बाद सोमवार को बैठक रखी गई मगर पांच सभासदों के अलावा कोई नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि हम तो अपना कर्तव्य पूरा करने के लिए बोर्ड बैठक में पहुंचे थे और महीनों के इंतजार के बाद बोर्ड बैठक हुई मगर हम जनता की समस्या किसके सामने रखे। भाजपा सभासद कल्पना नेगी ने कहा कि जनता की समस्या के लिए बोर्ड बैठक बुलाई जाती है इस बार 4 महीने बाद बैठक बुलाई गई थी उन्होंने कहा कि डोईवाला नगर पालिका में ऐसा जादू है जो पक्ष विपक्ष एक साथ बोर्ड बैठक से गायब हो रहा है और जनता का कोई कार्य नहीं हो रहा है। कांग्रेस सभासद गौरव मल्होत्रा ने बताया कि सभासदों की कोई नाराजगी अध्यक्ष से नहीं है उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष को रात्रि ही अवगत करा दिया गया था कि अभी हमारे पूरे के प्रस्ताव पर कार्य नहीं हुआ है तो नए प्रस्ताव लेना उचित नहीं है। भाजपा सभासद राजेश भट्ट ने बताया कि पूर्व में दिए हुए प्रस्ताव पर अभी कार्य नहीं हुआ है और बोर्ड बैठक में फिर नए प्रस्ताव दिए जाएंगे इस कारण से हमने नगर पालिका अध्यक्ष ओर अधिशाषी अधिकारी को अवगत करवा दिया गया था।

मुख्यमंत्री घोषणाओं के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें, लंबित परियोजनाओं पर 15 दिन में निर्णय लें : मुख्य सचिव

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं तथा मुख्यमंत्री की 10-10 घोषणाओं पर आधारित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश: मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत जिन योजनाओं और परियोजनाओं को पूर्ण किया जाना है, उन पर त्वरित अग्रिम कार्रवाई करते हुए उन्हें शीघ्रता से पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस योजना अथवा परियोजना को किसी कारणवश पूर्ण करना संभव नहीं है और जिसका विलोपन किया जाना है, उसका प्रस्ताव अगले 15 दिवस के भीतर मुख्यमंत्री घोषणा सैल को प्रस्तुत किया जाए। निर्धारित अवधि में प्रस्ताव प्राप्त न होने की स्थिति में यह माना जाएगा कि संबंधित विभाग उस परियोजना को पूर्ण करेगा।भूमि एवं समन्वय से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान: मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है, उनके संबंध में संबंधित

स्थानीय जनप्रतिनिधि, विधायक तथा जिलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर यह स्पष्ट किया जाए कि परियोजना को क्रियान्वित किया जाना है अथवा नहीं। उन्होंने इसी तरह के अंतर-विभागीय मुद्दों को भी आपसी समन्वय से शीघ्र सुलझाने के निर्देश दिए, ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर त्वरित निर्णय लिया जा सके।उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं के लिए भूमि और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की जा सकती हैं, उन पर तत्काल कार्य प्रारंभ किया जाए, जबकि जो परियोजनाएं व्यवहारिक नहीं हैं, उनके विलोपन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।10-10 कार्य आधारित घोषणाओं पर भी तेजी लाने के निर्देश: मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री की 10-10 कार्य आधारित घोषणाओं के अंतर्गत आने वाले कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को शीघ्र पूरा किया जा सकता है, उनकी सभी औपचारिकताएं तत्काल पूर्ण कर उन्हें क्रियान्वित किया जाए।उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण तथा अन्य निर्माण कार्यों से संबंधित जो कार्य किए जा सकते हैं, उनके लिए तत्काल शासनादेश जारी किए जाएं तथा जो कार्य संभव नहीं हैं, उनके विलोपन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।इसी प्रकार, पेयजल योजनाओं से संबंधित कार्यों के बारे में निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अगले 20 दिनों के भीतर यह स्पष्ट कर लिया जाए कि कौन-कौन से कार्य क्रियान्वित किए जा सकते हैं और कौन से नहीं।मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि जहां-जहां साइट सिलेक्शन कमेटी की रिपोर्ट संलग्न की जानी है, वहां उसे शीघ्रता से संलग्न करें।विद्यालय शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए जहां सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है, वहां नियमों के अनुसार निजी अथवा वन भूमि के चयन के संबंध में भी भूमि उपलब्धता की संभावनाएं तलाशें।गेस्ट हाउस निर्माण एवं नामकरण से जुड़े मामलों पर भी निर्णय: मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि जिन जनपदों में राज्य संपत्ति विभाग अथवा लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस उपलब्ध नहीं हैं, वहां नए गेस्ट हाउस निर्माण के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जो प्रोजेक्ट नामकरण के डिसाइड ना होने के चलते लंबित हैं, उनके संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभागों, हितधारकों तथा जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र निर्णय लिया जाए। यदि नामकरण में परिवर्तन की आवश्यकता हो तो उसके अनुरूप अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव सचिन कुर्वे, रविनाथ रामन, चंद्रेश कुमार यादव, एस.एन. पांडेय, वी. षणमुगम, एस.ए. अदांकी, विनोद कुमार सुमन, युगल किशोर पंत, डॉ. आर. राजेश कुमार, रणवीर सिंह, अहमद इकबाल, मुख्य वन संरक्षक रंजन मिश्र सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

निर्माणाधीन पुल के कंक्रीट की जगह वायरक्रेट में भरी जा रही मिट्टी

उत्तरकाशी(संवाददाता)। मोरी विकासखंड के सौड़-ओसला मोटर मार्ग पर हो रहे मोटर पुल निर्माण में बनाए जा रहे वायरक्रेट पर सीमेंट बजरी के स्थान पर मिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर बन रहे पुलों में पहले एक पुल पर लकड़ी के टेक लगाकर इतिश्री कर दी गई तो वहीं अब दूसरे निर्माणाधीन पुल के निर्माण में गुणवत्ता और मानकों के विपरीत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है। स्थानीय निवासी सेनू चौहान, राजपाल रावत ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना विभाग की ओर से सौड़-ओसला मोटर मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही उसके तहत ब्रिडकुल गंगाड़ के समीप दो मोटर पुलों का निर्माण कर रहा है। कार्यदायी संस्था की ओर से इन दोनों पुलों पर गुणवत्ताविहीन और मानकों के विपरीत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व एक निर्माणाधीन पुल को थामने के लिए लकड़ी के ही टेक लगा दिया था। वहीं, अब दूसरे पुल के निर्माण के दौरान बनाए जा रहे वायरक्रेट में बजरी सीमेंट के स्थान पर मिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो डालकर जिला प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जब पुल की सुरक्षा के लिए बन रहे वायरक्रेट ही सुरक्षित नहीं है तो भविष्य में यह पुल किस प्रकार सुरक्षित रह पाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी बरसात में यह मिट्टी पानी में बह जाएगी। संबंधित विभाग की ओर से यहां पर सरकारी धन का दुरुपयोग कर लोगों की जान के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। पीएमजीएसवाई के एई सुभाष दौरियाल ने कहा कि पुलों को निर्माण ब्रिडकुल कर रहा है। दूसरी ओर ब्रिडकुल के अधिकारियों से संपर्क नहीं हो पाया।

मिनी पार्किंग के रूप में विकसित की जाएंगे डंपिंग जोन

उत्तरकाशी(संवाददाता)। आगामी चारधाम यात्रा में पार्किंग की समस्या से निजात पाने के लिए गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर चल रहे सड़क निर्माण के दौरान बनाए गए डंपिंग जोन का प्रयोग किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से 30 मार्च तक दोनों हाईवे से संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे सड़क का कार्य पूरा करने के बाद डंपिंग जोन की संख्या की जानकारी दें। इससे संभावित और सुरक्षित डंपिंग जोन पर मिनी पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। चारधाम यात्रा के समय यात्रा रूट पर सबसे अधिक परेशानी यात्रियों का वाहन पार्किंग के लिए होती है। साथ ही कई बार सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। दूसरी ओर गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर मानसून में सड़क बंद होने के कारण वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर खड़े होने के लिए उचित स्थान नहीं मिल पाता है। यात्रा पड़ावों पर पार्किंग न होने के कारण यात्रियों को कई बार इधर-उधर भटकना पड़ता है इसलिए इस वर्ष समस्या के समाधान के लिए गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर बने डंपिंग जोन को मिनी पार्किंग के रूप में विकसित करने पर विचार किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से बीआरओ और एनएच विभाग को 30 मार्च तक दोनों हाईवे पर सुधारीकरण, डामरीकरण और चौड़ीकरण आदि कार्य पूरे करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि डंपिंग जोन की संख्या की जानकारी आने के बाद वहां पर मिनी पार्किंग निर्माण की कार्रवाई शुरू की जाएगी। इससे यात्रा रूट पर यात्रियों को अतिरिक्त निशुल्क पार्किंग मिल पाएगी।

जयंती पर प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत को किया याद

कोटद्वार(संवाददाता)। जिला एवं महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सेना में उनके योगदान, अदम्य साहस, देशभक्ति और राष्ट्रसेवा को याद किया गया। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनरल बिपिन रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि जनरल बिपिन रावत भारतीय सेना के उन महान सैनिकों में से थे, जिन्होंने अपने नेतृत्व, साहस और दूरदर्शिता से देश की रक्षा व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष बृजपाल सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, प्रदेश सचिव गणेश नेगी, विनोद नेगी आदि मौजूद रहे।

रानाचट्टी में खुली शराब की उप दुकान को बंद करने की मांग

उत्तरकाशी(संवाददाता)। लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन भेजकर समस्या हल करने को कहाबड़कोट। यमुनोत्री धाम के नजदीक रानाचट्टी में खुली शराब की उप दुकान का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। ग्रामीणों ने यमुनोत्री धाम की आस्था, विश्वास और स्थानीय जनता की जनभावनाओं को देखते हुए दुकान बंद करने की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि यदि दुकान बंद नहीं की जाती है तो स्थानीय लोगों की ओर से मुख्य मार्ग पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। राना गांव के संदीप राणा ने ग्रामीणों की तरफ को एसडीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि गांव क्षेत्र में महिलाओं सहित ग्रामीणों के धरना प्रदर्शन आंदोलन तालाबंदी करने के बाद भी अभी तक ठेका बंद नहीं किया गया है जो कि स्थानीय लोगों की भावनाओं को आहत कर रहा है।

भेल्डा बड़ा-मटियाली पंपिंग योजना में धांधली का आरोप

कोटद्वार(संवाददाता)। दुगड्डा ब्लॉक के तहत भेल्डा बड़ा-देवीखाल-मटियाली पंपिंग पेयजल योजना से भेल्डा बड़ा गांव के ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने कार्यदायी संस्था पर मानकों के अनुसार कार्य न कराने का आरोप लगाते हुए घटिया गुणवत्ता एवं लापरवाही की जांच कराने व उन्हें नियमित पेयजल आपूर्ति कराने की मांग उठाई है। ग्रामीणों ने योजना से संबंधित मांग को लेकर पेयजल निगम निर्माण शाखा के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि करोड़ों की लागत से बनी भेल्डा बड़ा, देवीखाल मटियाल पंपिग पेयजल योजना में कार्यदायी संस्था पेयजल निगम निर्माण शाखा की ओर से मानकों के अनुसार कार्य नहीं कराया जा रहा है। विभागीय लापरवाही एवं घटिया निर्माण कार्य के चलते ग्रामसभा में नियमित पेयजल आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। विभाग की ओर से एक-दो दिन छोड़कर मोहल्ले अनुसार मात्र एक-दो घंटे ही जलापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि भेल्डा बड़ा से विभिन्न तोकों तक बिछाई गई पाइप लाइन की गहराई व साइज मानकों के अनुसार नहीं है जिससे भविष्य में पेयजल लाइन के बार-बार क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने खेतों के बीच में बिछाई गई पाइप लाइन को खेतों के किनारे बिछाने, गांव सीमेंटेड स्टैंड पोस्ट बनवाने, पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे गए आंगनों को पूर्व की भांति सीसी निर्माण कराने, पंपिंग पेयजल योजना के लिए खींची गई विद्युत लाइन पर संभावित जगहों पर बिजली के खंभे लगाने, योजना के लिए भूमि दान देने वाले काश्तकारों को योजना में पंप ऑपरेटर के समकक्ष नौकरी देने अथवा नियमानुसार भूमि का मुआवजा देने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदीप चौधरी, राजेंद्र सिंह चौधरी, ललित मोहन चौधरी, राजेंद्र सिंह, सरला देवी, ललित मोहन, सुमन देवी, बीरेंद्र सिंह भंडारी, अवतार सिंह, कमलदीप चौधरी, पंकज चौधरी, महिपाल चौधरी आदि शामिल रहे।

तेज बारिश और ओलावृष्टि से नकदी फसलों को नुकसान

उत्तरकाशी(संवाददाता)। सोमवार शाम को जनपद मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। उधर, यमुना घाटी के नौगांव सहित पुरोला और बड़कोट के कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि से नकदी फसलों को नुकसान हुआ है। वहीं गंगोत्री और हर्षिल घाटी में देर शाम से बर्फबारी शुरू हो गई है। सोमवार शाम को नौगांव के स्योंरी फल पट्टी सहित पुरोला के भंकोली और बड़कोट के धारीकलोगी आदि क्षेत्रों में भारी ओलावृष्टि हुई। स्योरी फलपट्टी सहित रवांई घाटी में हुई ओलावृष्टि से मटर की फसल को भारी नुकसान हुआ है। टमाटर की पौध की नर्सरियों को भी ओलों से नुकसान हुआ है। काश्तकारों का कहना है कि पुलम, आड़ू खुमानी की पौध पर आए फूल झड़ गए हैं। काश्तकार विजय बंधानी, नयन सिंह बर्थवाल, प्रेम सिंह राणा ने बताया कि करीब आधा घंटे हुई ओलावृष्टि से मटर और गेहूं की फसल सहित आड़ू, पुलम, खुमानी की फसल को नुकसान हुआ है। जयेंद्र सिंह राणा ने बताया कि धारी कलोगी क्षेत्र में भी ओले गिरे हैं।

गंगोत्री-यमुनोत्री में भारी बर्फबारी, काश्तकारों के चेहरे खिले

उत्तरकाशी(संवाददाता)। बीते रविवार देर शाम से सोमवार सुबह तक गंगोत्री यमुनोत्री धाम सहित हर्षिल घाटी और जनपद के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अच्छी बर्फबारी हुई। वहीं निचले इलाकों में हुई बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली। बर्फबारी के बाद सेब और अन्य फसलों के काश्तकारों के चेहरे खिल उठे हैं। उनका कहना है कि मार्च में बारिश और बर्फबारी फसल के पैदावार के लिए उपयोगी साबित होती है।गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में करीब सात से आठ इंच बर्फ जमी हुई है। साथ ही हर्षिल और जनपद के गीठ, मोरी आदि के ऊंचाई वाले गांव में लगभग तीन से चार इंच बर्फ गिरी। निचले इलाकों में रविवार देर रात हुई बारिश के बाद सोमवार को दिनभर बादल छाए रहे। इस कारण तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली है। मार्च माह में हुई इस बारिश और बर्फबारी का लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। क्योंकि बारिश न होने के कारण फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई थी। अब काश्तकारों को राहत मिली है। इस बर्फबारी के बाद गंगोत्री यमुनोत्री धाम सहित हर्षिल घाटी सफेद चादर में बहुत ही खूबसूरत दिख रहा है।

किसानों से जैविक खेती अपनाने का आह्वान

उत्तरकाशी(संवाददाता)। स्वयंसेवी संस्था अनमोल ग्राम स्वराज संस्थान के तत्वावधान में गुंदियाटगांव में ग्रामीण किसानों के आजीविका संवर्द्धन विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में किसानों से जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया गया। इस मौके पर कार्यशाला में कृषि, बागवानी, सामाजिक कार्य और पारंपरिक खाद्य संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। गुंदियाटगांव स्थित वंदे मातरम एजुकेशन संस्थान परिसर में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता वरिष्ठ कृषक युद्धवीर सिंह रावत ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सेमवाल ने किया। इस मौके पर कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए खलाड़ी के युद्धवीर सिंह रावत, नगदी फसल उत्पादन में योगदान के लिए कमल सिराई किसान संगठन के अध्यक्ष स्यालिक राम व बागवानी के क्षेत्र में कार्य करने पर श्यामलाल परियाल को सम्मानित किया गया। वहीं पारंपरिक रवाई भोज एवं स्थानीय जैविक खाद्य पदार्थों के संरक्षण के लिए जमुना देवी को सम्मानित किया गया। सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए सोबत सिंह रावत व शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने पर वंदे मातरम् ट्रेनिंग एंड एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक राजेश सेमवाल को भी शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सेमवाल, जमुना देवी आदि ने कृषि उत्पादों के विपणन और बाजार रणनीति की जानकारी दी।

एग्रीस्टैक और फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

उत्तरकाशी(संवाददाता)। डीएम प्रशांत आर्य ने एग्रीस्टैक और फॉर्मर रजिस्ट्री के निर्धारित लक्ष्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कार्य किसानों के हितों से जुड़ा होने के कारण इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धीमी गति और लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए ऐसे कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। सोमवार को डीएम ने कार्य की प्रगति की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैठक ली। उन्होंने विकासखंड प्रभारी व न्याय पंचायत प्रभारियों को कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने पोर्टल पर संशोधन के बाद अब काश्तकारों को नए मोबाइल नंबर अपडेट करने और ओटीपी के माध्यम से प्रक्रिया पूरी किए जाने की जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि तीस प्रतिशत से कम प्रगति वाले विकासखंड प्रभारी और न्याय पंचायत प्रभारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी। बैठक में एसडीएम देवानंद शर्मा, मुख्य कृषि अधिकारी एसएस वर्मा, सीएचओ रजनीश कुमार उपस्थित रहे।

चाकू से हमले में घायल युवक की 11 दिन बाद मौत

हल्द्वानी (संवाददाता)। काठगोदाम थाना क्षेत्र में चाकू से हमले में घायल युवक की 11 दिन बाद मौत हो गई। युवक को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।जानकारी के अनुसार 5 मार्च की शाम करीब 6 बजे काठगोदाम रेलवे तिराहा के पास स्कूटी सवार दो युवकों ने हेम आर्या (पुत्र किशोर राम) पर चाकू से हमला कर दिया। हेम मूल रूप से नैनीताल जिले के कूकना खेड़ा गांव का निवासी था और वर्तमान में राजपुरा स्थित कुष्ठ आश्रम के पास रह रहा था। अचानक हुए हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल हेम को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर परिजन उसे राममूर्ति अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा था।परिजनों के अनुसार हालत में सुधार न होने पर शनिवार को उसे बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर हल्द्वानी लौटे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में पुलिस पहले ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बसपा संस्थापक काशीराम को जयंती पर याद किया गया

रामनगर (संवाददाता बसपा के संस्थापक मा. काशीराम के 92 वे जन्मदिवस पर उन्हे श्रद्वॉजलि अर्पित करते हुये याद किया गया। नगर के ईदगाह रोड स्थित बसपा नेता सगीरूद्दीन के निवास पर समपन्न हुये कार्यक्रम मे कैलाश आर्यवाल, शाकिर सैफी, महेश कुमार, सगीरूद्दीन, मौ. सिराज, दयालराम, नबाब अहमद शाद, पप्पू कश्यप, मौ. कादिर, अब्दुल सत्तार, मौ. सिराज आदि ने मान्यवर काशीराम जी को काशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये उन्हे श्रृद्धासुमन अर्पित किये। कालाढूंगी के ग्राम बेलपोखरा, शिवरामपुर मे बसपा के वरिष्ठ नेता राजकपूर टम्टा की अध्यक्षता व मनीष कुमार के संचालन मे समपन्न हुये कार्यक्रम मे मान्यवर काशीराम जी के चित्र पर बृजेश कुमार, विजय कुमार, संतोष कुमार, कांता प्रसाद, टीकाराम, पनीराम, खीमराम, किशन चन्द्र, खीमानंद, जीवन चन्द्र, जगदीश चन्द्र, हरीश चन्द्र, मदन चन्द्र, प्रेमराम, धनीराम, नवीन चन्द्र आदि बसपाई मौजूद रहें।

ऑधीबारिश से भारी नुकसान, मकान पर पेड़ गिरने से बालक की मौत

रामनगर (संवाददता)। रविवार की रात्रि आयी अधड़, ऑधी, बारिश के कहर ने अपने घर मे मीठी नींद सो रहे 13 वर्षीय बालक जीवन लीला को छीन लिया। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि रात्रि 2 बजकर 20 मिनट पर हरीश रोतेला नामक व्यक्ति ने स्वय् फायर स्टेशन आकर रिगोंड़ा मे प्रकाश उपाध्याय के मकान के उपर पेड़ गिरने व उसके नीचे उनके 13 वर्षीय पुत्र कुनाल उपाध्याय के दबने की सूचना दी। बच्चे के दबे होने की सूचना पर फायर विभाग की रेस्क्यू टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुये घटनास्थल पर जाकर वुड कटर से पेड़ को काटकर काफी मशक्कत से बच्चे को बाहर निकालकर परिजनो व सिविल पुलिस को सौप दिया जिसे बाद मे सयुंक्त चिकित्सालय ले जाया गया जहॉ चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत से परिवार मे कोहराम मच गया तथा क्षेत्र भर मे शोक की लहर व्याप्त है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि एसएसआई दीपक बिष्ट के द्वारा मृत्तक का पंचयातनामा भरा गया है। इधर ऑधी-बारिश के कारण रामनगर-काशीपुर मार्ग से लेकर हर तरफ सड़को पर पेड़ गिरने, बिजली के पोल व तार टूटने व लोगो के घरो व मकानो मे नुकसान होने के समाचार मिले है। समाचार लिखे जाने तक नुकसान का आंकलन जारी था।

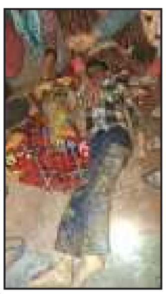

दीपा कोटिया बनी भाजपा महिला मोर्चा जिला सोशल मीडिया सह सयोंजक

रामनगर(संवाददाता)। भाजपा महिला मोर्चा की नैनीताल जिलाध्यक्ष कचंन उप्रैती के द्वारा दीपा कोटिया को नैनीताल जनपद का जिला सोशल मीडिया सह सयोंजक मनोनित किया गया है। श्रीमती कोटिया के इस मनोनयन पर उन्हे विधायक दीवान सिंह बिष्ट, भाजपा नगराध्यक्ष भुपेन्द्र सिंह खाती, भगीरथ लाल चौधरी, इन्दर रावत, रेखा रावत, नीमा मठपाल, भावना भट्ट्, आशा बिष्ट, अमिता लोहनी, निर्मला रावत, शिशुपाल सिंह रावत, गणेश रावत, जगमोहन सिंह बिष्ट, विपिन कांडपाल, अजयपाल, प्रकाश थापा, शुभम उत्तम, वीरेन्द्र रावत, रामसिंह जलाल, पंकज रावत आदि भाजपाईयो ने बधाई देते हुये खुशी जाहिर की है।

अजय पाल के भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री बनने पर खुशी की लहर

रामनगर (संवाददाता)। भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के नैनीताल के जिलाध्यक्ष नन्हे कश्यप के द्वारा पूर्व मे ओबीसी मोर्चे के नगराध्यक्ष रह चुके अजय पाल नैनीताल जिले मे मंत्री मनोनित किया गया है। श्री पाल के मनोनयन पर उन्हे विधायक दीवान सिंह बिष्ट, भाजपा नगराध्यक्ष भुपेन्द्र सिंह खाती, भगीरथ लाल चौधरी, इन्दर रावत, रेखा रावत, नीमा मठपाल, भावना भट्ट्, आशा बिष्ट, अमिता लोहनी, निर्मला रावत, दीपा कोटिया, शिशुपाल सिंह रावत, गणेश रावत, जगमोहन सिंह बिष्ट, विपिन कांडपाल, पंकज रावत, प्रकाश थापा, शुभम उत्तम, वीरेन्द्र रावत, रामसिंह जलाल आदि भाजपाईयो ने बधाई देते हुये खुशी जाहिर की है।

स्टार प्लाईवुड के स्वागी नसीम व नईम सैफी ने रोजा अफ्तार कराया

रामनगर (संवाददाता)। स्टार प्लाईवुड के ऑनर व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शमीम के छोटे भाई नसीम सैफी व नईम सैफी के द्वारा गत दिवस भवानीगंज स्थित नज्जारान मस्जिद मे रोजा अफ्तार कराया गया जिसमे बड़ी संख्या मे रोजेदारो ने शिरकत की गयी। इस मौके पर मस्जिद के इमाम मुफ्ती सलीम सैफी के द्वारा दुआ ऐ खैर मे मुल्क मे अमन चौन, आपसी भाईचारे व कौम की तरक्की के लिये दुआ की गयी। रोजा अफ्तार मे नसीम सैफी, नईम सैफी, सलमान सैफी, कामरान सैफी, अमन सैफी, हाजी साबिर, मास्टर असगर, सभासद प्रतिनिधि जफर जानू, मौ. जाहिद, डॉ. नासिर, जाहिद आरामशीन, डॉ. नासिर, डॉ. जफर सैफी, डॉ. सलमान सैफी, आबिद सैफी बॉस वाले, मोबीन सैफी, गुलजार सैफी, मौ. खलीक, अजीम अंसारी, सलीम मलिक, साकिब उजाला, शावेज सैफी सहित बड़ी तदाद मे रोजेदार मौजूद रहे।

रामनगर ने रोबोटिक एंड स्टेम लैब का उद्घाटन किया

रामनगर (संवाददाता)। इनर व्हील क्लब ऑफ रामनगर ने रोबोटिक एंड स्टेम लैब का उद्घाटन किया, चेयरपर्सन डॉ. सुरुचि सेक्सेना के द्वारा कराया गया जिसका ग्रेट मिशन स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. नलनी श्रीवास्तव, सदस्य इनर व्हील क्लब के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। रोबोटिक लैब में कक्षा 8-10 के बच्चों ने आईटी रोबोट, 3डी एनीमेशन, ऐप निर्माण जैसी सुविधा मिलेगी जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा। लैब में विभिन प्रोजेक्ट ड्रोन, कृत्रिम व्हीलचेयर, रोबोट जेसे मॉडल द आदि है। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष कविता अग्रवाल, सीजीआर पीयूषी अग्रवाल, सचिव अंजलि जिंदल, आईएसओ चारुल, संपादक सुमिति मेहरोत्रा, कोषाध्यक्ष मीना, पीपी अनुप्रीत, संगीता जिंदल आदि मौजूद रही।

रेट्रो साइलेंसर से पटाखे जैसा शोर करने वाली बाइक सीज

अल्मोड़ा(संवाददाता)। रेट्रो साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने और आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में सोमेश्वर क्षेत्र में पुलिस ने एक बाइक को सीज किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों, निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों (यातायात) तथा इंटरसेप्टर प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वाहनों में रेट्रो साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इन निर्देशों के अनुपालन में रविवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोमेश्वर मदन मोहन जोशी ने पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर प्लेट की बाइक में रेट्रो साइलेंसर लगा पाया गया, जिससे पटाखों जैसी तेज आवाज निकल रही थी और आसपास के क्षेत्र में काफी शोर व ध्वनि प्रदूषण हो रहा था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सुमित हृदयेश के हल्द्वानी स्थित निज आवास पर कांग्रेसजनों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे उत्तराखंड के जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में प्रमुखता व मजबूती से उठाने पर आज विधायक सुमित हृदयेश के हल्द्वानी स्थित निज आवास पर कांग्रेसजनों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों और क्षेत्रवासियों ने विधायक सुमित हृदयेश द्वारा जनहित के मुद्दों को लगातार विधानसभा में उठाए जाने की सराहना करते हुए कहा कि वे हमेशा जनता की आवाज को सदन तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदेश में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं, आयुष्मान कार्ड एवं गोल्डन कार्ड योजना में खामियों, एलपीजी गैस किल्लत, खिलाड़ियों और युवाओं के रोजगार सहित आमजन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को जिस मजबूती के साथ विधायक सुमित हृदयेश द्वारा सदन में उठाया गया है, वह एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।इस दौरान हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने सभी कांग्रेसजनों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए भावुक शब्दों में कहा कि हल्द्वानी की जनता ने जो विश्वास और स्नेह उन्हें दिया है,वही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को सदन तक पहुँचाना उनका कर्तव्य है और वे आगे भी हल्द्वानी सहित पूरे उत्तराखंड की जनता से जुड़े मुद्दों को विधानसभा में पूरी मजबूती के साथ उठाते रहेंगे। कहा जनता की उम्मीदों और विश्वास को बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है और जनहित, विकास तथा आमजन के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा। विधायक सुमित हृदयेश ने कहाकि जनता का यह स्नेह और समर्थन उन्हें और अधिक जिम्मेदारी तथा ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और उन्होंने विधायक सुमित हृदयेश को शुभ कामनाएं देते हुए उनके जनहित के प्रयासों की सराहना की।स्वागत कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, सतीश नैनवाल, हरीश मेहता, हेमन्त बगड़वाल, एन.बी. गुणवंत, नरेश अग्रवाल, मलय बिष्ट, मयंक भट्ट, राजेन्द्र बिष्ट, गोविंद बिष्ट, पार्षद मुकुल बलुटिया, महिला महानगर अध्यक्ष मधु सांगुड़ी, शोभा बिष्ट, पार्षद भागीरथी बिष्ट, निर्मला जोशी, बिमला सांगुड़ी, रत्ना श्रीवास्तव, अल्का आर्य, गीता बहुगुणा, रेनू तोमर, मंजू पांडे, जगमोहन बगड़वाल, गिरीश पांडे, संजू पाना, महेशानंद, ब्लॉक अध्यक्ष हेम पांडे, मोहन बिष्ट, जाकिर हुसैन, गोविंद बगड़वाल, विधायक प्रतिनिधि जीवन सिंह कार्की, सतनाम सिंह, पार्षद शकील सलमानी, पार्षद विक्की त्रिपाठी, विनोद दानी, नेत्र जोशी, नवीन पांडे, योगेश जोशी, गिरीश तिवारी, जीत सिंह, भुवन तिवारी, संदीप भैसोड़ा,संजू उप्रेती, हिमांशु जोशी, दिवेश तिवारी, हरभजन भुल्लर, हेम जोशी, बसंत जोशी, नितिन भट्ट, अमित रावत, इंजीनियर सुमित कुमार, संजय साह, मन्नू गोस्वामी, बबलू बिष्ट, लच्छू भाई, संदीप पांडे, महेंद्र कुमार, राकेश बेलवाल, प्रमोद बेकवाल, वीर बिष्ट, प्रदीप कुमार, राजेन्द्र बिष्ट, जावेद वारसी, लाल सिंह पवार, संजय रावत, देवेंद्र नेगी, संजय जोशी, कमल बोरा, सुदर्शन परमार, विनोद जोशी, चरणजीत बिंद्रा, नीरज प्रभात गर्ग, कैलाश जोशी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

अल्मोड़ा(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी सोमेश्वर विधानसभा के सोमेश्वर मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ रविवार को हुआ। उद्घाटन सत्र में दीपक पाण्डेय ने वैचारिक अधिष्ठान और विचार परिवार विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का दर्शन एकात्म मानववाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राजनीति के पंचनिष्ठ सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मार्ग अंत्योदय से विकसित भारत की ओर है और पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांतों पर आधारित राजनीतिक संगठन है। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक तीन वर्ष में मंडल से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कार्यकर्ताओं के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन करती है। दूसरे सत्र में पूर्व जिला अध्यक्ष ललित लटवाल ने भारतीय जनता पार्टी के इतिहास और विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना, 1975 के आपातकाल के संघर्ष और 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा का उल्लेख किया। जिला प्रशिक्षण संयोजक और जिला महामंत्री प्रकाश भट्ट ने दो दिवसीय आवासीय वर्ग से संबंधित दिशा-निर्देश देते हुए भाजपा के दायित्वों तथा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी।

गुलदार और उसके शावकों को देखे जाने की सूचना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया

हल्द्वानी (संवाददाता)। फतेहपुर रेंज से लगे बजुनिया हल्दू ग्राम स्थित कोणार्क कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में गुलदार की सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत है। रविवार सुबह स्थानीय निवासी योगेरा हेडिया के गेहूं के खेत

में गुलदार और उसके शावकों को देखे जाने की सूचना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। ग्राम प्रधान डीसी जोशी की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ इलाके में गस्त की लेकिन गुलदार का सुराग नहीं लगा। जब फतेहपुर रेंज के रेंजर पीके असगोला से मामले में संपर्क किया गया तो उन्हें घटना की जानकारी ही नहीं थी। खतरनाक हुआ मूवमेंटग्रामीणों के अनुसार, गुलदार लगातार आबादी वाले क्षेत्रों के करीब आ रहा है।पूर्व में भी बजुनिया हल्दू क्षेत्र से लगे जंगल में एक ग्रामीण को शिकार बना चुका है और कुछ समय पूर्व ही एक सांभर और एक बकरी की भी अपना निवाला बनाया है। अब शावकों के साथ मौजूदगी की बात सामने आने से खतरा और अधिक बढ़ गया है, क्योंकि मादा गुलदार इस समय अधिक आक्रामक हो सकती है। वन विभाग का रवैया टालमटोल वालामामले की गंभीरता को देखते हुए ग्राम प्रधान हौसी जोशी ने वन विभाग से तुरंत एक्शन लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि क्या वन विभाग बजूनिया हल्दू में ही घटना होने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि फैसिंग लगाने को लेकर व डीएफओं को पूर्व में ज्ञापन दे चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जल्द संवेदनशील इलाकों में तारवाड़ (फेंसिंग) नहीं हुई ती ग्रामीण अआंदोलन को बाध्य होंगे।

ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने जीता गोल्ड, तीन छात्राएं नेशनल के लिए चयनित

रामनगर (संवाददाता)। ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल, हिम्मतपुर ब्लॉक रामनगर की छात्राओं ने हरिद्वार स्थित शिवडेल स्कूल सेक्टर-एक में आयोजित प्रथम राज्य स्तरीय नेटबॉल चौम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया।फाइनल मुकाबले में नैनीताल ने देहरादून को 15ख्13 के स्कोर से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि में विद्यालय की छात्राएं मीनाक्षी कक्षा 10 बी 1,आरती कक्षा 10 ।1 , प्रियंशी कक्षा 10 ।1, हर्षिता कक्षा 12 ठा1, प्रतिभा कक्षा 12 ।1, कौशिकी कक्षा 12 ।1 और वंदना कक्षा 12 ।1 का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीम को कोच हिमांशु के मार्गदर्शन

में यह सफलता प्राप्त हुई।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय की छात्राएं प्रतिभा, कौशिकी और वंदना का चयन राष्ट्रीय स्तर की नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है। ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉक्टर प्रसून श्रीवास्तव और विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉक्टर नलिनी श्रीवास्तव सहित विद्यालय परिवार ने सभी विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हलदुवा चौकी काशीपुर रोड के पास एक विशालकाय पेड़ गिरा

रामनगर (संवाददाता)। कोतवाली रामनगर द्वारा फायर स्टेशन को सूचना प्राप्त हुई कि हलदुवा चौकी काशीपुर रोड के पास एक विशालकाय पेड़ गिरा हैं।जिससे यातायात पूर्ण रूप से बाधित हो गया।सूचना प्राप्त होते ही फायर स्टेशन रामनगर की राहत एवं बचाव कार्य टीम प्रभारी अग्निशमन अधिकारी गोपाल सिंह रावत के दिशा निर्देशन में घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली

हल्द्वानी (संवाददाता)। राजपुरा के पड़ाव क्षेत्र में निवासरत महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिजन महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर सब परिजनों को सौंप दिया है।जानकारी के अनुसार बीते शनिवार की रात मजदूर राजकुमार की पत्नी पिंकी (24) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला। प्रथमदृष्टया जांच में पुलिस इसे खुदकुशी मान रही है। लेकिन मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही सामने आएगा।लोगों ने बताया कि पति पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद शायद पत्नी ने ये आत्मघाती कदम उठाया। महिला अपने पीछे दो मासूम बच्चों को छोड़ गई है। तहसीलदार ने पोस्टमार्टम हाउस पर मायके व ससुराल पक्षों के लोगों के बयान दर्ज किए हैं

हिन्दी दैनिक जोखिम

एक्रोमैटोप्सिया से पीड़ित सुपरहीरो का किरदार निभाएंगी अदा शर्मा, सुपर वेली फिल्म का फर्स्ट लुक जारी

फिल्मी दुनिया में सुपरहीरो पर आधारित कहानियां हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। इस कड़ी में अब एक ऐसी फिल्म आने वाली है, जिसमें सुपरहीरो का अंदाज बिल्कुल अलग और अनोखा होगा। अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आगामी फिल्म सुपर वेली में एक ऐसे सुपरहीरो का किरदार निभाने जा रही हैं, जो सुपरहीरो की पावर को गंभीरता से नहीं लेती। उन्होंने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है। फर्स्ट लुक के वीडियो से साफ जाहिर है कि इस फिल्म में उनका किरदार थोड़ा आलसी, अजीब और मजाकिया अंदाज वाला है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता देखी जा रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने मजाक में कहा था कि मैं वेली हूं। आम बोलचाल की भाषा में वेली शब्द का मतलब होता है कि कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पास करने के लिए कोई काम न हो या जो खाली बैठा हो। उनके इस वीडियो को कुछ यूजर्स ने गलत तरीके से समझ लिया और कहने लगे कि अदा शर्मा के पास काम नहीं है और वह खाली बैठी हैं।लेकिन अब, जब अदा शर्मा ने फिल्म के टाइटल का खुलासा किया, तो लोगों को समझ आया कि वह अपनी आने वाली फिल्म का प्रमोशन कर रही थीं।फर्स्ट लुक वीडियो में वह अपने किरदार के बारे में बताती दिख रही है, वह कहती है, मेरा नाम वेल्ली नहीं वेली है, लेकिन आप मुझे वेल्लीविजिलक्ष्मी कृष्णमूर्ति चंद्रशेखरानवामी अय्यर कह सकते हैं। वह आगे बताती है कि वह एक्रोमैटोप्सिया है यानी कलर ब्लाइंड. . इससे पीड़ित इंसानों को दुनिया केवल काले, सफेद और ग्रे कलर में दिखाई देती है।सुपर वेली में उनका अंदाज पूरी तरह बदला दिखेगा। यह फिल्म एक ऐसे सुपरहीरो की कहानी दिखाती है, जो पारंपरिक हीरो की तरह जिम्मेदार नहीं है।फिल्म के फर्स्ट लुक में अदा शर्मा का सुपरहीरो किरदार दुनिया को बचाने की जिम्मेदारी उठाने से ज्यादा आराम करना पसंद करती है। वह अक्सर सोने या आराम करने के बारे में ही सोचती है, बावजूद इसके किसी न किसी तरह बड़ी घटनाओं के बीच पहुंच जाती है। कभी वह बेहद अनाड़ी लगती है, तो कभी अचानक समझदारी भरा कदम उठाती नजर आती है।फिल्म का निर्देशन राजेश बच्चानी कर रहे हैं। उन्होंने अदा शर्मा के चयन को लेकर कहा, मुझे अदा की एक्टिंग काफी पसंद है। खास तौर पर फिल्म कमांडो में उनका किरदार मुझे बहुत पसंद आया था। उनमें एक अलग तरह की प्रतिभा है। उनके अभिनय में स्वाभाविकता, समझदारी और हल्का-फुल्का मजाकिया अंदाज भी देखने को मिलता है। इसलिए फिल्म के किरदार के लिए वह मुझे सही लगीं। इस फिल्म की कहानी पर मैं पिछले तीन साल से काम कर रहा हूं और मैं दर्शकों के सामने कुछ नया और ताजगी भरा कंटेंट पेश करना चाहता हूं।

सुदीगली सुधीर की लेटेस्ट फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम्स की रिलीज डेट आउट, 26 मार्च को दुनिया भर में रिलीज

सुदीगली सुधीर की लेटेस्ट फिल्म जी.ओ.ए.टी (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम्स) 26 मार्च को दुनिया भर में रिलीज होने वाली है, जो एक एंटरटेनिंग सिनेमैटिक एक्सपीरियंस का वादा करती है। फिल्म में दिव्या भारती फीमेल लीड रोल में हैं, और वेदव्यास डायरेक्टर हैं। महातेजा क्रिएशन्स और जयण्णव प्रोडक्शंस के अंडर चंद्रशेखर रेड्डी मोगुल्ला द्वारा प्रोड्यूस की गई जी.ओ.ए.टी अभी पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।इस फिल्म में सर्वदमन बनर्जी, नितिन प्रसन्ना, ब्रह्माजी और पृथ्वी जैसे शानदार कलाकार हैं। लियोन जेम्स के म्यूजिक और मणि शर्मा के बैकग्राउंड स्कोर के साथ, यह फिल्म एक टेक्निकल मास्टरपीस होने का वादा करती है। सिनेमैटोग्राफी रसूल एलोर ने की है, और एडिटिंग विजय मुक्तवरपु ने की है।प्रोड्यूसर चंद्रशेखर रेड्डी मोगुल्ला ने फिल्म की सफलता पर भरोसा जताया और कहा कि यह सुदीगली सुधीर के करियर में एक मील का पत्थर है।

द केरला स्टोरी 2 की 16वें दिन भी नहीं थम रही कमाई, बॉक्स ऑफिस पर किया धमाका

द केरला स्टोरी 2 को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म की कमाई में लगातार ग्रोथ देखने को मिल रही है. आइए जानते हैं द केरला स्टोरी 2 ने 16वें दिन कितना कलेक्शन किया है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 16वें दिन यानी तीसरे शनिवार को 2.96 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म के कलेक्शन में 16 परसेंट की ऑक्यूपेंसी देखी गई. फिल्म के 16वें दिन के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियल नहीं आए हैं.

दोस्ताना 2 को मिली नई देसी गर्ल, प्रियंका चोपड़ा की राह पर चलीं सिनी शेट्टी

करण जौहर की फिल्म दोस्ताना में प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खूबसूरती और अभिनय से एक यादगार देसी गर्ल की छवि बनाई। उस वक्त प्रियंका मिस वर्ल्ड का ताज जीतकर बॉलीवुड में छा चुकी थीं। सालों बाद दोस्ताना 2 में अब नई देसी गर्ल आ गई है और इतिहास खुद को दोहराता दिख रहा है। प्रियंका के नक्शेकदम पर चलते हुए अब पूर्वमिस इंडिया सिनी शेट्टी, लक्ष्य लालवानी और विक्रांत मैसी संग स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।धर्मा प्रोडक्शंस की दोस्ताना 2 अपनी कास्टिंग और बदलावों को लेकर काफी समय से चर्चा में रही है। इसकी शूटिंग सबसे पहले लक्ष्य लालवानी, कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के साथ शुरू हुई थी। निर्माताओं और कार्तिक के बीच अनबन की खबरों के बाद, कार्तिक इस प्रोजेक्ट से अलग हो गए। इस बड़े बदलाव के बाद धर्मा प्रोडक्शंस ने फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। अब सालों बाद, फिल्म एक नई स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रही है।इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराने जा रहा है। जिस तरह 2008 में मिस वर्ल्ड प्रियंका चोपड़ा ने दोस्ताना में अपनी अदाओं से देसी गर्ल का खिताब पाया था, अब एक और सौंदर्य प्रतियोगिता की विजेता इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व मिस इंडिया सिनी शेट्टी इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। सिनी ने साल 2022 में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था।

साल 2025 में फिल्म के पुनरुद्धार के बाद लक्ष्य लालवानी के साथ अब विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ये विक्रांत की धर्मा प्रोडक्शंस के साथ पहली फिल्म होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि निर्माता सिनी शेट्टी को फाइनल करने से पहले 3 अन्य अभिनेत्रियों के नाम पर विचार कर रहे थे, लेकिन आखिरकार सिनी की प्रतिभा ने उन्हें ये बड़ा मौका दिलाया। अब सिनी फिल्म की देसी गर्ल परंपरा को एक बार फिर पर्दे पर जीवंत करेंगी।सिनी के लिए दोस्ताना 2 मिलना सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सपने के सच होने जैसा है। दरअसल, सिनी हमेशा से प्रियंका को अपनी प्रेरणा मानती आई हैं। अब कुदरत का करिश्मा देखिए, सिनी को अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म उसी फ्रेंचाइजी की मिली है, जिसने प्रियंका को देसी गर्ल बनाया था। बता दें कि दोस्ताना बॉलीवुड की उन चुनिंदा फिल्मों में से है, जिसने ग्लैमर, कॉमेडी और एक बोल्ड विषय को बड़ी खूबसूरती से पर्दे पर उतारा था।

केजीएफ -कांतारा वाले होम्बले फिल्म्स का बड़ा ऐलान, भारतीय सिनेमा को मिलेगी वैश्विक मंच पर नई उड़ान

भारतीय सिनेमा को केजीएफ , कांतारा और सालार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाला प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स अब दुनिया फतह करने की तैयारी में है। अपनी जादुई कहानियों से देश का दिल जीतने के बाद, कंपनी ने अब आधिकारिक तौर पर ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन (विदेशी फिल्म वितरण) के क्षेत्र में उतरने का ऐलान कर दिया है। ये कदम न केवल होम्बले की अपनी फिल्मों, बल्कि देश के अन्य फिल्म निर्माताओं के लिए भी अंतरराष्ट्रीय बाजार के दरवाजे मजबूती से खोलेगा। केजीएफ और कांतारा जैसी सुपरहिट फिल्में देने वाला प्रोडक्शन हाउस, होम्बले फिल्म्स, अब एक नई भूमिका में नजर आएगा। कंपनी ने अब खुद अंतरराष्ट्रीय वितरक बनने का फैसला किया है। वो सिर्फ अपनी ही नहीं, बल्कि भारत के अन्य फिल्म निर्माताओं की बेहतरीन और बड़ी फिल्मों को भी विदेशी बाजार तक पहुंचाने में मदद करेगा। इसका मकसद भारतीय कहानियों और संस्कृति को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाना और विश्व स्तर पर एक मजबूत नेटवर्क तैयार करना।होम्बले फिल्म्स अब भारत के अन्य छोटे-बड़े प्रोडक्शन हाउस के लिए एक पुल का काम करेगा। इसका मतलब है कि भारत के किसी भी कोने की दमदार कहानी अब दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर दिखाई देगी। विदेशों में डिस्ट्रीब्यूशन का जिम्मा खुद लेकर प्रोडक्शन कंपनी ये पक्का करना चाहती है कि भारतीय सिनेमा की गूँज दुनिया के हर शहर और हर कोने में सुनाई दे।

मुख्यमंत्री ने अन्तराष्ट्रीय योग महोत्सव का किया शुभारम्भ

-आज विश्व के 180 से अधिक देशों में मनाया जा रहा योग दिवस

-योग केवल व्यायाम ही नहीं समग्र जीवन पद्धति है - मुख्यमंत्री

देहरादून (संवाददता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को जनपद टिहरी के गंगा रिजॉर्ट मुनिकीरेती में आयोजित अन्तराष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नही समग्र जीवन पद्धति है। योग आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का काम करता है। उन्होंने देश प्रदेश के युवाओं से योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले युवा आमतौर पर थकावट महसूस करते है इसमें योग उनका सबसे अच्छा सहयोगी बन सकता है, राज्य सरकार ने योग नीति 2025 बनायी है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 50 और 10 बेड वाले आयुष चिकित्सालय की स्थापना की जा रही है। योग और आध्यात्म को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ का प्राविधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़वाल मंडल विकास निगम और उत्तराखंड पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा ये अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव पिछले 35 वर्षो से योग की परंपरा को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस बार आयोजित इस 7 दिवसीय भव्य योग महोत्सव में योग, प्राणायाम, ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आध्यात्मिक प्रवचनों के विविध सत्रों के साथ-साथ रन फॉर योगा, हेरिटेज वॉक तथा अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन जैसे कई विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। इससे प्रतिभागियों को योग के विविध आयामों से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और महान आध्यात्मिक परंपरा की अमूल्य धरोहर है। हजारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने योग के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का जो मार्ग दिखाया था, आज वो पूरी दुनिया के लिए स्वस्थ जीवन, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का सशक्त आधार बन चुका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि योग के महत्त्व को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में संपूर्ण विश्व के कल्याण के लिए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र संघ में रखा था। उसी का परिणाम है कि आज दुनिया के 180 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि योगभूमि भी है। यहां की पवित्र नदियाँ, शांत वातावरण, स्वच्छ जलवायु और आध्यात्मिक ऊर्जा योग साधना के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं। विश्वभर से हजारों-लाखों साधक प्रति वर्ष उत्तराखंड आकर योग और ध्यान का अभ्यास करते हैं। हमारे लिए यह भी अत्यंत गर्व की बात है कि आज पूरी दुनिया में ऋषिकेश को "विश्व की योग राजधानी" के रूप में पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में आयुष आधारित 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, साथ ही प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 50 और 10 बेड वाले आयुष चिकित्सालयों की स्थापना भी की जा रही है। इसके साथ ही, ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा नागरिकों को आयुष परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है। यही नही उत्तराखंड आयुष नीति के माध्यम से औषधि निर्माण, वेलनेस, शिक्षा, शोध और औषधीय पौधों के संवर्धन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, इसके साथ ही राज्य में आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में एक-एक स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन की स्थापना की जा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गढ़वाल मंडल के हर गांव को पर्यटन से जोड़ने संबंध ी उत्तराखंड खोज योजना का रिमोट दबाकर लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि योग हमारी प्रचीन पद्धति में शुमार है। हमारे ऋषि मुनियों ने योग और तप बल से कई सिद्धियां हासिल की है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि आज योग से करोडोंं लोग निरोग हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की सबसे बड़ी पहचान मे योग की मुख्य भूमिका है।प्रबंध निदेशक गढ़वाल मण्डल विकास निगम प्रतीक जैन ने बताया कि इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में 2500 से अधिक रजिट्रेशन हो चुके है। इस योग महोत्सव को 150 योग संस्थाओं के सहयोग से सफल बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में गुरु कुल कांगड़ी सहित विभिन्न क्षेत्रों से आये के योग साधको द्वारा योग की विभिन्न क्रियाओं का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मुनिकीरेती नीलम बिजल्वाण, अध्यक्ष नगर निगम ऋषिकेश शम्भू पासवान, अध्यक्ष नगर पंचायत तपोवन विनीता बिष्ट जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल, योगाचार्य ऊषा माता सहित हजारों की संख्या में योग साधक उपस्थित रहे।

चार धाम तीर्थयात्रियों को मिलेगा मजबूत स्वास्थ्य कवच : डॉ० धन सिंह रावत

- ई-स्वास्थ्य धाम पोर्टल के जरिए होगी रियल-टाइम मॉनिटरिंग

- यात्रा रूट पर तैनात रहेंगी 177 एम्बुलेंस, हेली एम्बुलेंस भी रहेगी मुस्तैद

देहरादून (संवाददाता)। सूबे में संचालित चार धाम यात्रा को लेकर राज्य सरकार ने इस बार विशेष प्रबंध किये हैं। इस बार यात्रा पर आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य की 'ई-स्वास्थ्य धाम' पोर्टल पर रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जायेगी। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिये 177 एम्बुलेंस का बेड़ा यात्रा रूट पर तैनात रहेगा, साथ ही हेली व वोट एम्बुलेंस भी यात्राकाल के दौरान मुस्तैद रहेगी। इसके अलावा यात्रा मार्गो, मुख्य पड़ावों और चारों धामों की स्थाई एवं अस्थाई चिकित्सा इकाईयों में अनुभवी चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टॉफ भी तैनात रहेगा। सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने बताया कि स्वस्थ एवं सुरक्षित चार धाम यात्रा के लिये राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा पर आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जायेगा इसके लिये यात्रा मार्गो, मुख्य पड़ावों और चारों धामों की स्थाई एवं अस्थाई चिकित्सा इकाईयों में सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की जायेगी। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। डॉ० रावत ने बताया कि इस बार यात्रा पर आने वाले प्रत्येक तीर्थयात्री के स्वास्थ्य की 'ई-स्वास्थ्य धाम' पोर्टल पर रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जायेगी, ताकि श्रद्धालुओं को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया किया जा सके। उन्होंने कहा कि यात्रा काल के दौरान कुल 177 एम्बुलेंस तैनात की जायेगी। जिसमें 108 आपातकालीन सेवा, एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस के साथ ही कार्डिक एम्बुलेंस सेवा शामिल है। इसके अलावा टिहरी में एक वोट एम्बुलेंस तथा एक हेली एम्बुलेंस भी क्रियाशील रहेगी जिसका संचालन एम्स ऋषिकेश के माध्यम से किया जायेगा। डॉ० रावत ने कहा कि यात्रा मार्गों पर एम्बुलेंस का न्यूनतम रिस्पांस टाइम रहेगा, जिससे तीर्थयात्रियों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके।

उत्तराखंड में एसआईआर की तैयारियां तेज, प्रदेश में 87% मैपिंग पूरी

- सीईओ राजस्थान ने बताए एसआईआर के सफल संपादन के टिप्स

- शत प्रतिशत मैपिंग से आसान होगी एसआईआर की राह

- उत्तराखण्ड में अप्रैल माह से शुरु होगा विशेष गहन पुनरीक्षण

देहरादून संवाददाता उत्तराखण्ड में आगामी अप्रैल माह में होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्) को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम की पहल पर निर्वाचन विभाग राजस्थान ने उत्तराखंड पहुंचकर अपने अनुभव साझा किए। सोमवार को देहरादून में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान नवीन महाजन ने हाल में ही राजस्थान में समपन्न एसआईआर के सम्बंध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय उत्तराखण्ड के सभी अधिकारियों सहित सभी जनपदों के डिप्टी डीईओ /अपर जिला अधिकारियों, नेशनल एवं स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर्स ने भी प्रतिभाग किया।बैठक ने दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि प्रदेश में 87 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग की जा चुकी है। जिन बूथों पर मैपिंग की गति धीमीं है सर्म्बधित अधिकारियों को टाइमलाइन देते हुए ससमय मैपिंग कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्रा, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान एमएम तिवारी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी एनके मीणा, देहरादून जनपद के सीडीओ अभिनव शाह, सहित सभी जनपदों जनपदों के डिप्टी डीईओ /अपर जिला अधिकारियों, नेशनल एवं स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर्स एसएलएमटी, एनएलएमटी ने भी प्रतिभाग किया।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com